देखना पड़ता है कि डिफेंस और डिवलेपमेंट के बीच में समन्वय कैसे रखें और एक विकासोन्मुख देश में इस समन्वय को भी जरूरी रखना पड़ता है क्योंकि सुरक्षा विकास के ऊपर में बहुत अंशों में निर्भर करती है। इसलिए डिफेंस इंडस्ट्री बनाने के लिए भी काम करना पड़ता है। मैं यह विश्वास देना चाहता हूं कि हम इस बात का प्रबन्ध भी जरूर करते हैं कि हमारी सुपीरियारिटी अपने पड़ोसी के ऊपर रहे ताकि आवश्यकता पड़ने पर हम अपनी सुरक्षा कर सकें। यह नहीं है कि हम किसी के ऊपर आक्रमण करना नहीं चाहते हैं। भारत का यह गौरव रहा है कि इतिहास में हमने कभी भी किसी को पराजित करने का प्रयत्न नहीं किया है और आगे भी हम नहीं करना चाहते हैं, पराजित देश की स्वतंत्रता को कायम करना चाहते हैं। इस में कभी कभी यह कमजोरी जरूर आती है कि यह चुनने का मौका हमें नहीं मिलता है, हमारे दुश्मन को मिलता है। लेकिन हम सब प्वाइंट्स पर तैयारी रखते हैं ताकि कभी ऐसी स्थिति पैदा हो तो देश की सुरक्षा को हम सुरक्षित रख सकें। मैं सदन को फिर से कहना चाहता हूं कि हमारी फौज बहादुर है और फौज को बराबर भरोसा रहता है कि सारे देश की शक्ति उनके पीछे है। और यह भी स्मरण रखना चाहिये कि सिर्फ मशीन ही कारगर नहीं होती है।

man behind the machine

का बहुत ज्यादा महत्व हुआ करता है। घबराहट में जैसा मैंने कहा आणविक शक्ति को आप प्रोटेक्टिव कह सकते हैं, डिफेंसिव नहीं कह सकते हैं। That is not a weapon of defence.

इसलिए हम अभी अपनी नीति को परिवर्तित करने की आवश्यकता नहीं समझते हैं। बहादुर जो होता है वह बहुत जल्दी घबराया नहीं करता है।

12.26 hrs.

PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

FIFTY-EIGHTH REPORT AND HUNDRED AND TWENTY-FIFTH REPORT

SHRI ASOKE KRISHNA DUTT (Dum Dum): Sir, I beg to present the following Reports of the Public Accounts Committee:

(1) Fifty-eighth Report of the Committee on paragraph 8 of the Report of Comptroller and Auditor General of India for the year 1974-75, Union Government (Railways) relating to Diesel Hydraulic Locomotives.

(2) Hundred and twenty-fifth Report of the Committee on paragraphs 8 and 9 of the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1976-77, Union Government (Railways) relating to Restoration and Construction of Railway Lines.

COMMITTEE ON PUBLIC UNDERTAKINGS

THIRTY-FIFTH REPORT AND MINUTES

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): Sir, I beg to present the Thirty-fifth Report of the Committee on Public Undertakings on Export of Leather and Leather Goods by the State Trading Corporation of India Limited and Minutes of the sittings of the Committee relating thereto.